आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTRY OF HOUSING AND URBAN AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

SWAच्छ VAARtA

मार्च-अप्रैल 2025

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 न्यूज़लेटर

INDEX

Pg-4

एशिया और प्रशांत क्षेत्र में 12वीं क्षेत्रीय 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम

Pg-15

मन की बात

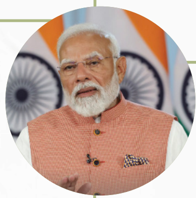

Pg-16

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024

Pg-20

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

Pg-22

स्वच्छता का प्रतिनिधित्व करते शहर

Pg-29

केंद्रीय मंत्री के नेतृत्व में शहरी विकास पर राज्यों से चर्चा

Pg-30

राज्यों में शहरी परियोजनाओं की समीक्षा के लिए राज्य मंत्री का दौरा

Pg-31

समीक्षा बैठक

Pg-32

साझेदारियां

Pg-33

झिबली ट्रेंड

Pg-34

स्वच्छता खबरों में...

Pg-35

सोशल मीडिया

United Nations | Department of Economic and Social Affairs

UNCRD

ESCAP Economic and Social Commission for Asia and the Pacific

सत्यमेव जयते
Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India

सत्यमेव जयते
Government of Rajasthan

Ministry of the Environment
Japan

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

LiFE Lifestyle for Environment

12th Regional 3R and Circular Economy Forum in Asia and the Pacific

3rd - 5th March 2025 I Rajasthan International Centre, Jaipur, India

एशिया और प्रशांत क्षेत्र में सतत विकास के लक्ष्य और कार्बन तटस्थता प्राप्त करने की दिशा में सर्कुलर सोसाइटीज का निर्माण

माननीय प्रधानमंत्री का विशेष संदेश

भारत द्वारा पी-3 (प्रो प्लैनेट पीपल) दृष्टिकोण की पुरज़ोर वकालत पर विशेष जोर दिया गया। इस बात पर प्रकाश डाला गया कि भारत सदैव ही सर्कुलर अर्थव्यवस्था की दिशा में अपनी यात्रा के दौरान मिले अनुभवों और सीखों को सभी के साथ साझा करने के लिए तत्पर रहा है।

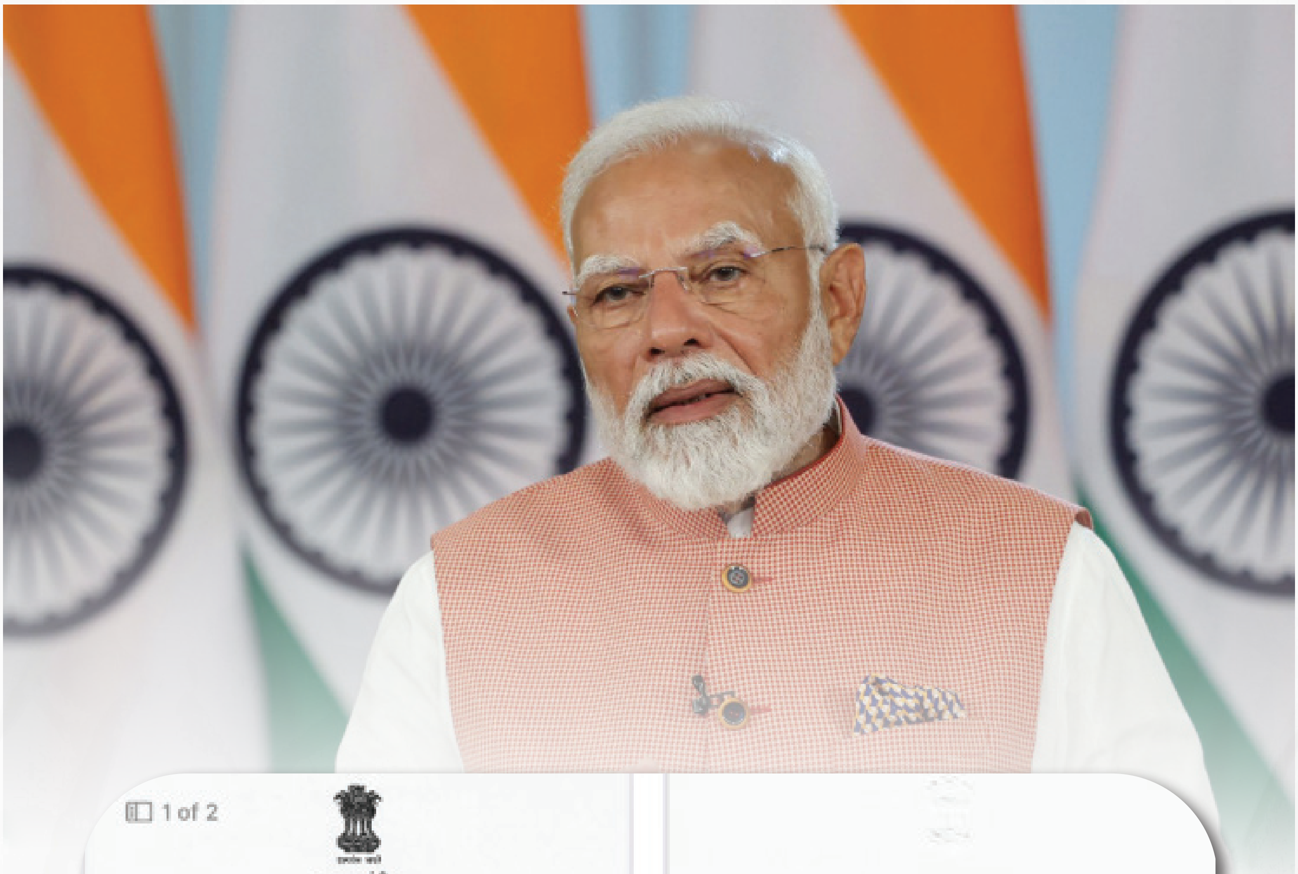

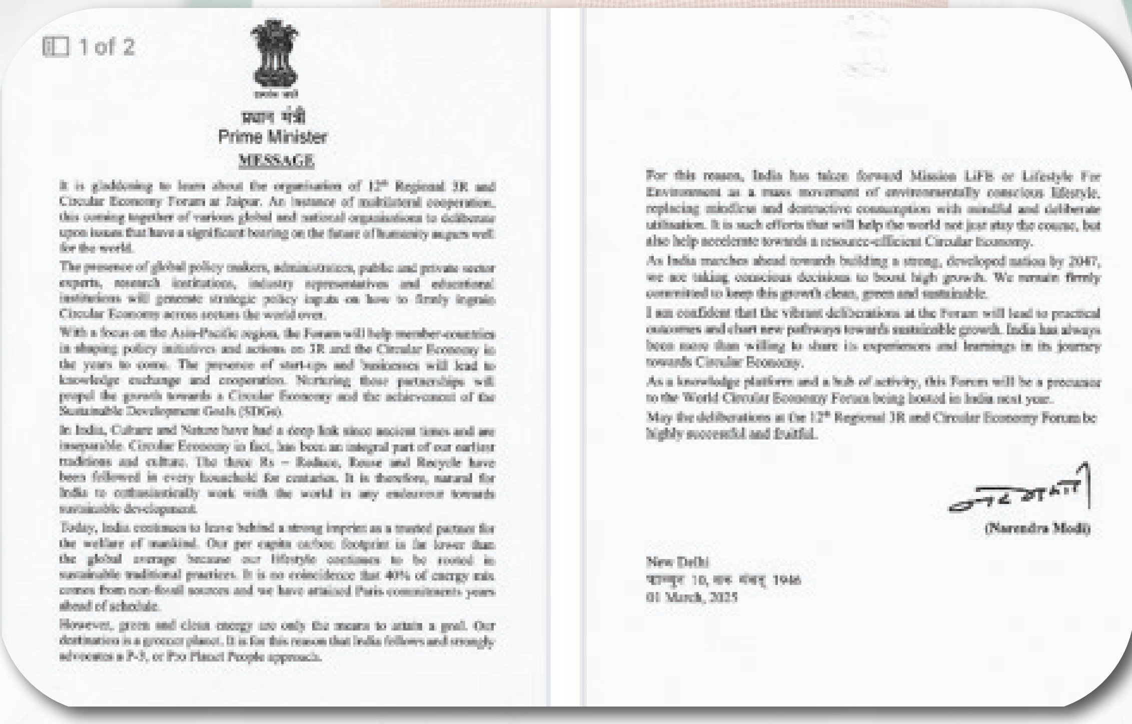

1 of 2

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

MESSAGE

It is gladdening to learn about the organisation of 12th Regional 3R and Circular Economy Forum at Jaipur. An instance of multilateral cooperation, this coming together of various global and national organisations to deliberate upon issues that have a significant bearing on the future of humanity augurs well for the world.

The presence of global policy makers, administrators, public and private sector experts, research institutions, industry representatives and educational institutions will generate strategic policy inputs on how to firmly ingrain Circular Economy across sectors the world over.

With a focus on the Asia-Pacific region, the Forum will help member-countries in shaping policy initiatives and actions on 3R and the Circular Economy in the years to come. The presence of start-ups and businesses will lead to knowledge exchange and cooperation. Nurturing these partnerships will propel the growth towards a Circular Economy and the achievement of the Sustainable Development Goals (SDGs).

In India, Culture and Nature have had a deep link since ancient times and are inseparable. Circular Economy in fact, has been an integral part of our earliest traditions and culture. The three Rs – Reduce, Reuse and Recycle have been followed in every household for centuries. It is therefore, natural for India to enthusiastically work with the world in any endeavour towards sustainable development.

Today, India continues to leave behind a strong imprint as a trusted partner for the welfare of mankind. Our per capita carbon footprint is far lower than the global average because our lifestyle continues to be rooted in sustainable traditional practices. It is no coincidence that 40% of energy mix comes from non-fossil sources and we have attained Paris commitments years ahead of schedule.

However, green and clean energy are only the means to attain a goal. Our destination is a greener planet. It is for this reason that India follows and strongly advocates a P-3, or Pro Planet People approach.

For this reason, India has taken forward Mission LiFE or Lifestyle For Environment as a mass movement of environmentally conscious lifestyle, replacing mindless and destructive consumption with mindful and deliberate utilisation. It is such efforts that will help the world not just stay the course, but also help accelerate towards a resource-efficient Circular Economy.

As India marches ahead towards building a strong, developed nation by 2047, we are taking conscious decisions to boost high growth. We remain firmly committed to keep this growth clean, green and sustainable.

I am confident that the vibrant deliberations at the Forum will lead to practical outcomes and chart new pathways towards sustainable growth. India has always been more than willing to share its experiences and learnings in its journey towards Circular Economy.

As a knowledge platform and a hub of activity, this Forum will be a precursor to the World Circular Economy Forum being hosted in India next year.

May the deliberations at the 12th Regional 3R and Circular Economy Forum be highly successful and fruitful.

(Narendra Modi)

New Delhi
फाल्गुन 10, शक संवत् 1946
01 March, 2025

कर्टेन रेजर

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने 12वें क्षेत्रीय 3आर एवं सर्कुलर इकोनॉमी फोरम के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की तथा 24 फरवरी 2025 को आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्री एस. कटिकिथला और पीआईबी के प्रधान महानिदेशक श्री धीरेंद्र ओझा की उपस्थिति में कार्यक्रम का लोगो और वेबसाइट लॉन्च की। जयपुर, राजस्थान में (3-5 मार्च, 2025) आयोजित फोरम में 38 देशों से लगभग 1500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह फोरम माननीय प्रधानमंत्री के 'नवाचार और समुदाय-संचालित सर्कुलर इकोनॉमी समाधानों' को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण के अनुरूप था।

आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने 27 फरवरी 2025 को राजस्थान इंटरनैशनल सेंटर में 12वें क्षेत्रीय 3आर एवं सर्कुलर इकोनॉमी फोरम पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में राजस्थान के स्थानीय स्वशासन मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा, स्थानीय स्वशासन के प्रमुख सचिव राजेश यादव और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक श्रीमती रूपा मिश्रा के साथ मीडिया से बातचीत की।

प्रमुख झलकियां

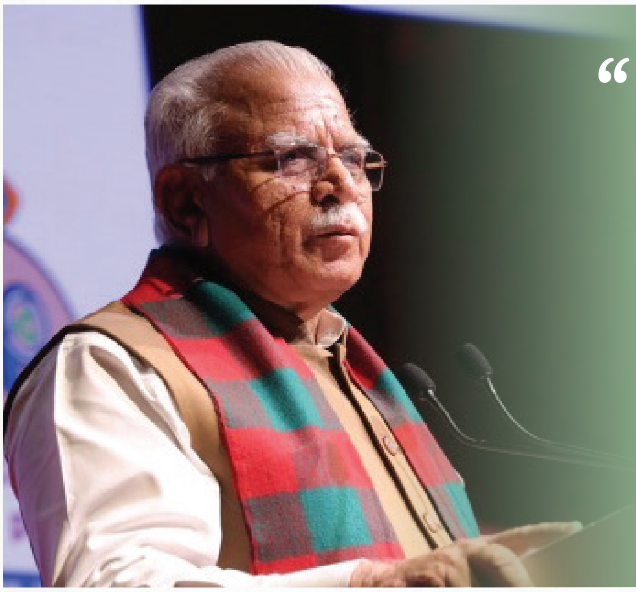

"जयपुर डिक्लेरेशन' को एशिया और प्रशांत क्षेत्र के देशों ने सर्वसम्मति से अपनाया है। राष्ट्रीय नीतियों, परिस्थितियों और क्षमताओं के अनुसार देशों को सांकेतिक रणनीति सुझाने के लिए एक मार्गदर्शक दस्तावेज तैयार किया गया है। एक सहयोगी नॉलेज प्लेटफॉर्म 'सी-3' पर भी सहमति बनी है..."

श्री मनोहर लाल, माननीय मंत्री,
आवासन एवं शहरी कार्य तथा विद्युत मंत्रालय

"भारत की सर्कुलर अर्थव्यवस्था 2050 तक 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की मार्केट वैल्यू उत्पन्न करेगी और करीब 10 मिलियन नौकरियां पैदा करेगी..."

श्री भूपेंद्र यादव, माननीय मंत्री,
पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

"आज के दौर में 3-आर (रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकिल) और सर्कुलर इकोनॉमी की अवधारणा सिर्फ एक विकल्प नहीं बल्कि एक जरूरत है..."

श्री तोखन साहू, माननीय राज्य मंत्री,
आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय

प्रमुख झलकियां

"सर्कुलर इकॉनमी आज के लिए ही नहीं, बल्कि हमारे भविष्य के लिए भी ज़रूरी है। जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता की हानि और प्रदूषण जैसे मुद्दे पृथ्वी ग्रह के लिए चुनौती पैदा कर रहे हैं और सर्कुलर इकॉनमी इन चुनौतियों से निपटने का सबसे प्रभावी तरीका है..."

श्री भजन लाल शर्मा,
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

"मैं भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्योगों में सर्कुलर अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों को एकीकृत करके भारत के सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक प्रमुख स्तंभ के रूप में 'सीई' पर जोर देने की पहल को मान्यता देना चाहूंगा।"

महामहिम श्री असाओ केइचिरो,
माननीय पर्यावरण मंत्री, जापान सरकार

"भारत ने हमेशा पर्यावरण का सम्मान किया है और उसकी रक्षा भी की है। हाल ही में संपन्न हुआ महाकुंभ इसका जीवंत उदाहरण है, जहां 65 करोड़ श्रद्धालुओं का आवागमन हुआ लेकिन अब यह क्षेत्र स्वच्छ एवं सुरक्षित है। यही हमारी संस्कृति है।"

श्री कैलाश विजयवर्गीय,
माननीय शहरी विकास मंत्री, मध्य प्रदेश

"भारत का सर्कुलर अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना सिर्फ़ एक पर्यावरणीय ज़रूरत नहीं है, बल्कि एक आर्थिक और सामाजिक अवसर भी है। नीति, इनोवेशन और कम्युनिटी-ड्रिवन एक्शन के ज़रिए हम एक अपशिष्ट-मुक्त, जलवायु के अनुकूल भविष्य का निर्माण कर रहे हैं!"

श्री एस. कटिकिथला, सचिव, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय

प्रमुख झलकियां

3आर के लिए नई दशकीय डिक्लेरेशन

फोरम के दौरान 2025 से 2034 तक के लिए जयपुर डिक्लेरेशन पर चर्चा की गई और सदस्य देशों द्वारा सर्वसम्मति से इसे अपनाया गया। यह घोषणापत्र एक गैर-राजनीतिक, गैर-बाध्यकारी प्रतिबद्धता है जो संसाधन दक्षता और सतत शहरी विकास की दिशा में अगले दशक के प्रयासों का मार्गदर्शन करेगी।

भारत-जापान द्विपक्षीय वार्ता

जापान सरकार के वैश्विक पर्यावरण मामलों के उप-मंत्री महामहिम श्री युताका मात्सुजावा और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री तोखन साहू के बीच इस वार्ता ने भारत और जापान के बीच सर्कुलर अर्थव्यवस्था, अपशिष्ट प्रबंधन, जलवायु कार्रवाई और सतत शहरी विकास में बढ़ते रणनीतिक सहयोग को मजबूत किया।

'सिटीज कोअलिशन फॉर सर्कुलैरिटी (सी-3)' के लिए भारत का प्रस्ताव स्वीकार

माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए, 'सिटीज कोअलिशन फॉर सर्कुलैरिटी (सी-3)' को एक भारतीय पहल के रूप में प्रस्तावित किया गया था और इसे सभी सदस्य देशों द्वारा स्वीकार किया गया था। यह जानकारियां, तकनीकी विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए एक बहु-हितधारक, बहु-राष्ट्र गठबंधन है। सी-3 की परिकल्पना शहर-शहर सहयोग, तकनीकी संस्थानों, साझेदारी, निजी क्षेत्र के संयुक्त उद्यमों और इसी तरह की पहल को बढ़ावा देने के लिए एक डिजिटल मंच के रूप में की गई है।

वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम (डब्ल्यूसीईएफ) 2026

भारत ने 2025 में साओ पाउलो, ब्राजील के बाद 2026 में वर्ल्ड सर्कुलर अर्थव्यवस्था फोरम (डब्ल्यूसीईएफ) की मेजबानी के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की।

प्रमुख झलकियां

अंतर्राष्ट्रीय '3आर ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी' प्रदर्शनी

फोरम का मुख्य आकर्षण 3आर और सर्कुलर अर्थव्यवस्था में भारत की उल्लेखनीय पहलों को प्रदर्शित करने वाली एक समर्पित प्रदर्शनी भी रही। इसमें 15 प्रमुख मंत्रालयों और राष्ट्रीय मिशनों की प्रदर्शनियां शामिल रहीं और 40 से अधिक भारतीय और जापानी व्यवसायों और स्टार्टअप्स को सर्कुलैरिटी और 3आर सिद्धांतों का समर्थन करने वाले सर्वोत्तम अभ्यासों, विचारों और समाधानों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया।

एशिया-प्रशांत प्रतिनिधित्व

फोरम में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 24 सदस्य देशों ने भाग लिया, जिसमें जापान, सोलोमन द्वीप, तुवालु, कंबोडिया और मालदीव के मंत्री शामिल थे। मंत्रियों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, विशेषज्ञों-शिक्षाविदों, निजी क्षेत्रों और स्टार्टअप्स के प्रतिनिधियों सहित लगभग 200 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, 33 भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, 15 केंद्रीय मंत्रालयों, निजी क्षेत्र, तकनीकी संस्थानों, उद्योग भागीदारों और 75 शहरों (9 अंतर्राष्ट्रीय और 66 भारतीय) से लगभग 800 प्रतिनिधि मौजूद थे।

बैंकेबल शहरी परियोजनाओं के लिए हितधारकों के परामर्श

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्री श्रीनिवास कटिकिथला की अध्यक्षता में शहरी, जल एवं स्वच्छता सेवाओं के लिए बैंक योग्य परियोजनाओं पर हितधारकों से परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। चर्चा में शहरी जल आपूर्ति एवं स्वच्छता में सुधार, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट परियोजनाओं से सबक और चैलेंज फंड के लिए राज्य की अपेक्षाओं जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई।

प्रमुख समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अतिरिक्त, प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 14 राज्यों के 18 शहरों को लाभ पहुंचाने के लिए सिटी इन्वेस्टमेंट्स टू इनोवेट इंटीग्रेट एंड सस्टेन (CITIIS) 2.0 के तहत ₹1,800 करोड़ के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रमुख झलकियां

गतिशील सत्रों ने 3R फोरम पर अंतर्दृष्टिपूर्ण चर्चाओं को दिया बढ़ावा

24 एशिया पेसिफिक सदस्य देश	29 पूर्ण सत्र	6 कंट्री ब्रेकआउट्स
120 वक्ता	10 विषयगत सत्र	7 साइड इवेंट्स

भारत और जापान के 40 उद्योगों और स्टार्टअप के साथ अंतर्राष्ट्रीय 3 आर व्यापार और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी

3आर फोरम में प्रतिभागियों ने किया नेतृत्व

212 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि	117 उद्योग और प्राइवेट सेक्टर के प्रतिनिधि	231 यूएलबी के अधिकारी
96 भारत सरकार के प्रतिनिधि	180 राज्य सरकार के प्रतिनिधि	313 प्रदर्शक/स्वयं सहायता समूह
61 शिक्षाविद और विशेषज्ञ	42 विकास के भागीदार/ डीएफआई	11 दूतावासों के प्रतिनिधि
77 मीडिया/प्रेस	123 आयोजनकर्ता टीम	1463 कुल भागीदारी

प्रमुख झलकियां

3आर इंडिया पैवेलियन

- विभिन्न मंत्रालयों ने '#3आर इंडिया पैवेलियन' में अपशिष्ट रीसाइक्लिंग से संबंधित अभूतपूर्व इनोवेशन, सर्कुलर अर्थव्यवस्था संबंधी समाधानों और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन किया, जिससे 'शून्य अपशिष्ट भविष्य' की दिशा में भारत के मिशन को बल मिला।

एसएचजी स्टॉल्स

- भारत भर के विभिन्न शहरों से जीवंत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के स्टॉल्स ने कचरे को अवसर में बदलने और सस्टेनेबिलिटी को प्रमुख उद्देश्य में बदलने की वास्तविक शक्ति का प्रदर्शन किया! सर्कुलर इकोनॉमी से लेकर आजीविका तक, इन पहलों ने 'कचरे से मूल्य' और समुदायों को सशक्त बनाने की नई परिभाषा दी।

प्रमुख झलकियां

3आर टेक प्रदर्शनी

जयपुर में 3आर टेक प्रदर्शनी के दौरान कचरा प्रबंधन में अभूतपूर्व इनोवेशन का प्रदर्शन किया गया। स्टार्टअप, उद्योग और विकास भागीदारों ने अनूठी तकनीकें और विचार प्रस्तुत किए, जो स्थायी भविष्य के लिए कचरे को मूल्यवान संसाधनों में बदल रहे हैं।

प्रमुख झलकियां

डल झील की 'वीड प्रोसेसिंग यूनिट' और जलवायु प्रयासों ने बढ़ाई 3 आर फोरम की शोभा

पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, श्रीनगर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने CITIIS 2.0 कार्यक्रम के तहत एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य एकीकृत कचरा प्रबंधन प्रणाली को लागू करना है। इसमें स्मार्ट संग्रहण नेटवर्क और एआई-सक्षम रीसाइक्लिंग हब शामिल हैं, ताकि 2030 तक श्रीनगर को एक "जीरो-लैंडफिल शहर" में परिवर्तित किया जा सके। इस केंद्र शासित प्रदेश ने जलवायु वेधशाला की स्थापना के लिए राज्य-स्तरीय समझौते पर भी हस्ताक्षर किए— जो उत्तर भारत में अपनी तरह की पहली पहल है। यह वेधशाला जलवायु मानकों की निगरानी करेगी, क्षेत्रीय जोखिमों का मूल्यांकन करेगी, और कृषि, पर्यटन और जल संसाधनों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के लिए अनुकूल रणनीतियां तैयार करेगी। फोरम में प्रदर्शित नवाचारों में से एक था लेक्स कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी (LCMA) की डल झील जलकुंभी प्रसंस्करण इकाई, जिसको व्यापक सराहना मिली। यह इकाई खरपतवार जलीय पौधों को जैविक खाद और बायोगैस में परिवर्तित करती है, जो ईकोसिस्टम कंसर्वेशन और संसाधनों के उपयोग के क्षेत्र में नवोन्मेषी सोच का प्रतीक है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने सर्कुलर इकोनॉमी प्रोत्साहन योजना के साथ नीतिगत पहल की घोषणा की

जयपुर में आयोजित 12वें क्षेत्रीय 3R और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट और ग्रीन इनोवेशन में राज्य की अग्रणी भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने वेस्ट मैनेजमेंट और रीसाइक्लिंग प्रयासों को सुदृढ़ करने के लिए एक पर्यावरण प्रबंधन केंद्र (Environment Management Centre) की स्थापना की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने उपचारित जल के सर्वोत्तम उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक नई नीति तैयार करने की बात कही और नागरिकों से मुख्यमंत्री सद्भावना केंद्रों (Sadbhavna Kendras) के माध्यम से पुन: उपयोग (reuse) पहलों में भाग लेने का आह्वान किया। राजस्थान की इस क्षेत्र में अग्रणी पहल को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि राजस्थान देश का पहला राज्य है जिसने "ग्रीन बजट" पेश किया है, जिसके अंतर्गत ₹27,854 करोड़ पर्यावरणीय परियोजनाओं के लिए आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा राज्य ₹250 करोड़ का निवेश कर सर्कुलर इकोनॉमी पार्क और क्लीन एंड ग्रीन टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सेंटर्स विकसित कर रहा है। इसके साथ ही, आगामी सर्कुलर नीति के अंतर्गत भी कई नवाचारों को लागू किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय शून्य अपशिष्ट दिवस, 30 मार्च 2025 पर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के 120वें एपिसोड में कपड़ा अपशिष्ट की चुनौतियों पर प्रकाश डाला और इसके समाधान के लिए स्थायी समाधान लागू करने वाले शहरों की सराहना की।

साथियो, Textile waste से निपटने में कुछ शहर भी अपनी नई पहचान बना रहे हैं | हरियाणा का पानीपत textile recycling के global hub के रूप में उभर रहा है | बेंगलुरु भी Innovative Tech Solutions से अपनी एक अलग पहचान बना रहा है | यहाँ आधे से ज्यादा Textile waste को जमा किया जाता है, जो हमारे दूसरे शहरों के लिए भी एक मिसाल है | इसी प्रकार तमिलनाडु का Tirupur Waste Water Treatment और renewable energy के माध्यम से textile waste management में जुटा हुआ है |

Textile waste से सजावट की चीजें, handbag, stationery और खिलौने जैसी कई वस्तुएं बनाई जा रही हैं | कई संस्थाएं आजकल 'circular fashion brand' को popular बनाने में जुटी हैं | नए-नए rental platform भी खुल रहे हैं, जहां designer कपड़े किराए पर मिल जाते हैं | कुछ संस्थाएं पुराने कपड़े लेकर उसे दोबारा उपयोग करने लायक बनाती हैं और गरीबों तक पहुंचाती हैं |

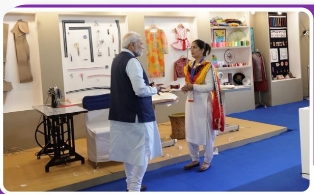

आजकल दुनिया-भर में पुराने कपड़ों को जल्द-से-जल्द हटाकर नए कपड़े लेने का चलन बढ़ रहा है | क्या आपने सोचा है कि जो पुराने कपड़े आप पहनना छोड़ देते हैं, उनका क्या होता है? यही textile waste बन जाता है | इस विषय में बहुत सारी Global Research हो रही है | एक research में यह सामने आया है, सिर्फ एक प्रतिशत से भी कम textile waste को नए कपड़ों में recycle किया जाता है - एक प्रतिशत से भी कम!

भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश है, जहां सबसे ज्यादा textile waste निकलता है| यानि चुनौती हमारे सामने भी बहुत बड़ी है | लेकिन मुझे खुशी है कि हमारे देश में इस चुनौती से निपटने के लिए कई सराहनीय प्रयास किये जा रहे हैं | कई भारतीय start-ups ने textile recovery facilities पर काम शुरु किया है | कई ऐसी टीमें हैं, जो कचरा बीनने वाले हमारे भाई-बहनों के सशक्तिकरण के लिए भी काम कर रही हैं| कई युवा-साथी Sustainable Fashion के प्रयासों में जुड़े हैं | वे पुराने कपड़ों और जूते-चप्पलों को recycle कर जरूरतमंदों तक पहुंचाते हैं |

स्वच्छ सर्वेक्षण
2024

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के लिए शहरों की तैयारी

3,000 से ज़्यादा मूल्यांकनकर्ता 15 फरवरी 2025 से पूरे देश में शहरों का मूल्यांकन करने के लिए मैदान में उतर चुके हैं। घर-घर जाकर कचरा इकट्ठा करने की कुशल व्यवस्था और चौबीसों घंटे काम करने वाले सफाईमित्रों से लेकर नागरिकों द्वारा फीडबैक देकर और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाकर सक्रिय भागीदारी तक, हर हितधारक अहम भूमिका निभा रहा है। शहर अतिरिक्त प्रयास कर रहे हैं - अभिनव कचरा प्रबंधन समाधान अपना रहे हैं, सामुदायिक भागीदारी बढ़ा रहे हैं और स्थायित्व वाली प्रथाओं को मजबूत बना रहे हैं - ये सब इस प्रतिष्ठित सर्वेक्षण में शीर्ष रैंकिंग हासिल करने के लिए किया जा रहा है।

नागरिक प्रतिक्रिया

देशभर के शहरों में नागरिकों द्वारा 'वोट फॉर माई सिटी ऐप, स्वच्छता ऐप और क्यूआर कोड' के माध्यम से अपनी प्रतिक्रियाएं साझा करके स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में सक्रिय रूप से भागी निभाई जा रही है।

आगरा

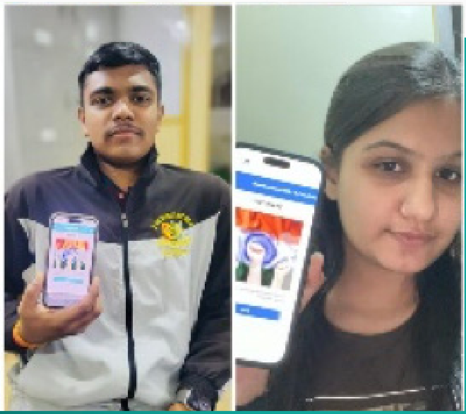

लखनऊ

सीटीयू परिवर्तन

पिंपरी चिंचवड

महाराष्ट्र के मोरवाडी स्थित आईटीआई कॉलेज में सफाई अभियान

कटनी

मध्य प्रदेश के कटनी में जल निकायों की सफाई

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के लिए शहरों की तैयारी

सफाईमित्र सुरक्षा

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में सफाईमित्र सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण

रायगडा

ओडिशा में रायगडा नगर पालिका द्वारा सफाईमित्रों को किया गया सम्मानित

आईईसी गतिविधियां

तिरुपति

आंध्र प्रदेश के तिरुपति में 'ऑन-साइट कम्पोस्ट' बनाने के विषय पर जागरूकता संबंधी गतिविधि

दिल्ली

चावड़ी बाज़ार, दिल्ली में अपशिष्ट प्रबंधन के विषय पर नुक्कड़ नाटक

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के लिए शहरों की तैयारी

घर-घर से कचरा संग्रहण

जयपुर

जयपुर, राजस्थान में बुनियादी ढांचे में सुधार किया जा रहा है, घर-घर से कचरा संग्रहण के लिए जीपीएस सुविधा से संपन्न वाहनों की तैनाती की जा रही है।

उत्तराखंड

उत्तराखंड में स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 से पहले घर-घर से कचरा संग्रहण सुविधा बढ़ाने के लिए सफाई कर्मचारियों को गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सतत अपशिष्ट प्रबंधन

जयपुर

जयपुर, राजस्थान में ‘बल्क वेस्ट जनरेटर’ अपने परिसर के भीतर सुनिश्चित कर रहे अपशिष्ट प्रबंधन

दिल्ली

एनडीएमसी ने किया चाणक्यपुरी में एक आरआरआर स्टॉल स्थापित

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

8 मार्च 2025

इंदौर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर इंदौर में महिलाओं की वॉकेथॉन आयोजित की गई, जिसमें विमन लीडर्स ने शहर को स्वच्छ रखने में योगदान देने की शपथ ली।

नागपुर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, नागपुर में 'वेस्ट टू आर्ट फैशन शो' का आयोजन किया गया, जिसमें बेकार अखबारों से बनी एक आकर्षक पोशाक ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता और रचनात्मकता का प्रमाण दिया।

बिलासपुर

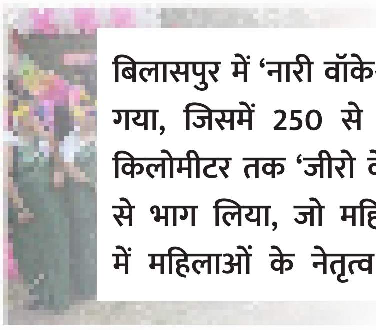

बिलासपुर में 'नारी वॉकेथॉन' का आयोजन किया गया, जिसमें 250 से अधिक महिलाओं ने 5 किलोमीटर तक 'जीरो वेस्ट इवेंट' में सक्रिय रूप से भाग लिया, जो महिला दिवस पर स्वच्छता में महिलाओं के नेतृत्व को प्रदर्शित करता है।

मानेसर

मानेसर में महिलाओं के लिए आयोजित स्वास्थ्य शिविर में सफाईमित्रों के माध्यम से कैंसर, एनीमिया और मासिक धर्म आदि संबंधी स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता फैलाई गई, जिसके बाद सैनिटरी पैड का वितरण किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

8 मार्च 2025

शहरी स्वच्छता में महिला नेतृत्व

वाराणसी के घाट पर स्नान के बाद छोड़े गए कपड़ों को पुनः उपयोग के लिए तैयार किए जाने वाली पहल से जुड़ी सीमा न सिर्फ स्वयं सशक्त हो रही हैं बल्कि अन्य महिलाओं को भी प्रशिक्षित कर उनका भविष्य संवार रही हैं। सीमा बताती हैं कि "इस पहल से महत्वाकांक्षी महिलाओं को उद्यम भी मिल रहा है और साथ ही वेस्ट मैनेजमेंट के गुर सीखने का मौका भी प्राप्त हो रहा है।" इन महिलाओं को सिलाई के इस कार्य से जोड़कर न केवल मशीन के रूप में एक उपकरण दिया जा रहा है बल्कि उन्हें आजीविका और अपने परिवारों का सहयोग करने का एक साधन भी प्राप्त हो रहा है। इन महिला उद्यमियों को खुद के कौशल को स्थायी आय में बदलकर, अपने लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने का अधिकार दिया गया है। नियमित मासिक आय से ये महिलाएं अपने परिवार को आर्थिक सहायता देते हुए खुद के आत्म सम्मान के स्तर को भी ऊपर उठा रही हैं।

ओडिशा में 'मिशन शक्ति' स्वयं सहायता समूह और आवास एवं शहरी विकास विभाग के बीच साझेदारी के तहत महिलाओं और अन्य कमजोर समूहों को सशक्त बनाया जा रहा है। दो दशकों में ओडिशा ने लगभग 6,00,000 मिशन शक्ति स्वयं सहायता समूहों का गठन किया, जिससे करीब 70 लाख महिला सदस्य जुड़ चुकी हैं। वर्तमान में मिशन शक्ति की सदस्य जल साथी, आहार केंद्र प्रबंधन, स्वच्छ साथी और स्वच्छ पर्यवेक्षकों के रूप में काम कर रही हैं। 2000 से अधिक समूह मानदंडों के अनुसार ठोस अपशिष्ट पृथक्करण, बैटरी रिक्शा से संग्रह एवं परिवहन, अपशिष्ट के उपचार, पुन: उपयोग और निस्तारण कार्य में शामिल हैं। ये समूह ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

मध्य प्रदेश के भोपाल में महिलाएं शहर की स्वच्छता और वेस्ट सेग्रीगेशन में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। एक पहल के अंतर्गत 250 महिलाओं के ब्रांड एंबेसडर समूह और भोपाल नगर निगम के बीच आपसी सहयोग शामिल किए गए हैं। इन समूहों व निगम के संयुक्त प्रयास यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी कार्यक्रम 'जीरो वेस्ट' और बेहतर 'वेस्ट मैनेजमेंट' के तहत आयोजित किए जाएं। समूह के सदस्य सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल खत्म करने के लिए 25 वार्डों में 'बर्तन बैंक' चला रहे हैं। 60 महिलाओं का एक 'स्वच्छता किट्टी समूह' बनाया गया है, जो शहर की स्वच्छता में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। समूह के सभी सदस्य 100 रुपये मासिक योगदान देकर स्वच्छता व्यवस्थाएं बेहतर बनाने के उद्देश्य से सामुदायिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं।

स्वच्छता का प्रतिनिधितव करते शहर

वेस्ट टू आर्ट : एक सस्टेनेबल क्रांति

बरेली

पुनः उपयोग में लाई गई सामग्रियों से निर्मित, बरेली का 'वेस्ट टू वंडर पार्क' पर्यावरण जागरूकता और वेस्ट इनोवेशन का प्रतीक है।

अहमदाबाद

प्लास्टिक की बोतलों और सीमेंट से बना अहमदाबाद का एक खूबसूरत ओट्टा, स्थिरता को बढ़ावा देते हुए कचरे को कला में बदल देता है।

वेस्ट टू आर्ट : एक सस्टेनेबल क्रांति

गोरखपुर

गोरखपुर में रानी लक्ष्मीबाई पार्क में कबाड़ से बनी अद्भुत कलाकृतियां और संरचनाएं स्थापित की गईं, जिससे रीसाइक्लिंग के बारे में जागरूकता बढ़ी।

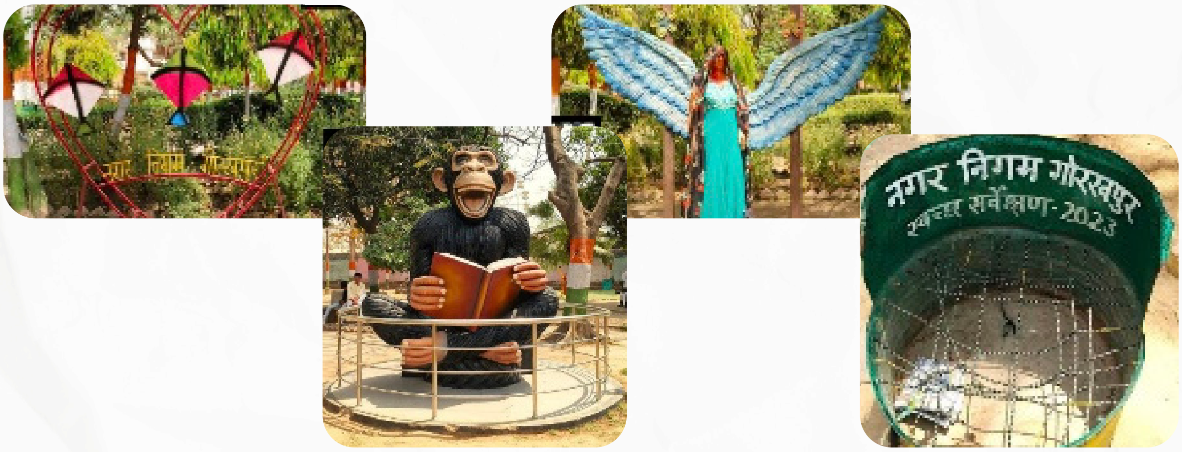

आगरा

आगरा की ओर से रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने के लिए सेंट्रल पार्क में 1,600 किलोग्राम लौह अपशिष्ट से निर्मित भारत की सबसे बड़ी 'सांप और सीढ़ी' (24 फीट × 24 फीट) खेल की आकृति स्थापित की गई।

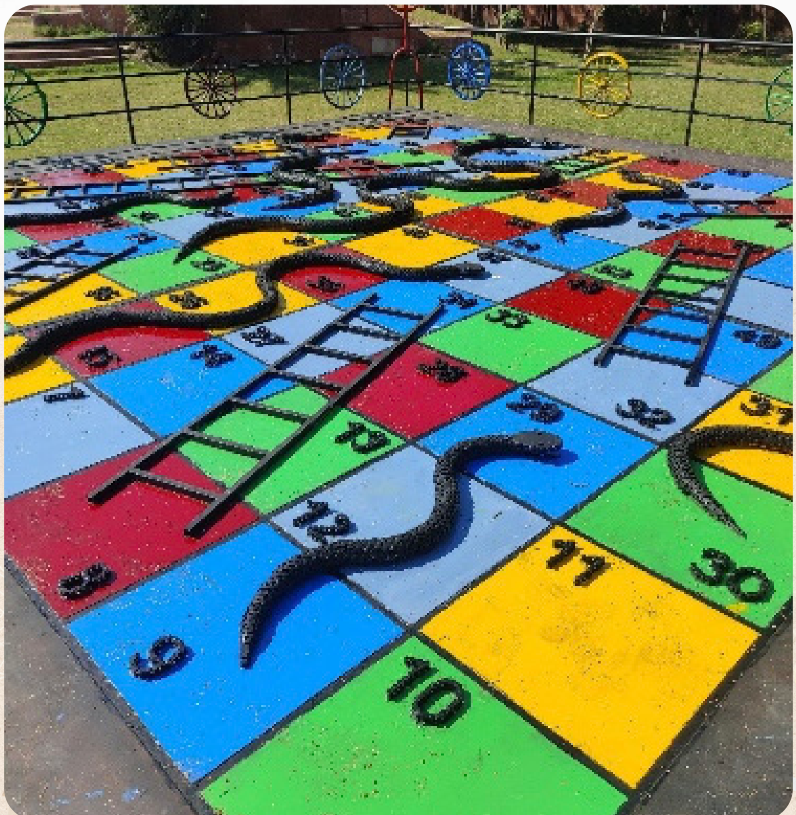

आरआरआर की रोचक कहानियां

बुक कैफे

विशाखापत्तनम में “बुक कैफे” की तर्ज पर आरआरआर केंद्र खुला। नाम से ही अपनी उपयोगिता दर्शा रहे इस आरआरआर केंद्र में सुकून से बैठ कर अध्ययन करने की एक छोटी सी व्यवस्था है जिसमें पुराने टायरों, पुराने चारकोल ड्रम और किताबों का इस्तेमाल किया गया है। यहां लोग शांति से अपनी मनपसंद किताब का आनंद कॉफी पीते हुए ले सकते हैं। इसमें हजारों किताबों को व्यवस्थित रूप से रखा गया है। ये सभी किताबें गैर-शैक्षणिक, काल्पनिक और गैर-काल्पनिक शैलियों पर आधारित हैं। इस थीम का उद्देश्य लोगों को अध्ययन से जोड़ने के साथ-साथ इस्तेमाल में ना आने वाली वस्तुओं का संग्रह करने के लिए एक केंद्र बनाना है।

खरपतवार बना आजीविका का स्रोत

एक समय असम में जल निकायों को अवरुद्ध करने वाला जलकुंभी जिसे स्थानीय भाषा में “पानी मेटेका” कहा जाता है अब आजीविका का साधन बन चुका है। मोरीगांव जिले के बोरचिला गांव में 60 महिलाओं ने इस पौधे को हस्तशिल्प उत्पादों में बदल दिया, जिससे उन्हें सम्मानजनक जीवन के साथ-साथ हर महीने ₹10,000 से अधिक की आय हो रही है। असम स्टेट रूरल लाइवलीहुड्स मिशन (ASRLM) के सहयोग से यह पहल उनके आर्थिक संघर्ष को सफलता में बदलने में मददगार साबित हुई। महिलाओं ने पास की सोनाई नदी से इस प्रचुर मात्रा में मिलने वाले जलकुंभी का पुनः उपयोग करते हुए न केवल स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्स्थापित किया, बल्कि रीसाइक्लिंग को भी बढ़ावा दिया। उनका यह कार्य अन्य समुदायों को भी प्रेरित कर रहा है कि वे कचरे को एक संसाधन के रूप में देखें और ऐसे पर्यावरण-अनुकूल तरीके अपनाएं जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आजीविका को भी समर्थन दें।

आरआरआर की रोचक कहानियां

पुराने सामान से मिली नई उम्मीद

रीसाइक्लिंग और सर्कुलैरिटी को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए दिल्ली नगर निगम (दक्षिणी क्षेत्र) ने वाय वेस्ट वेडनेसडे फ़ाउंडेशन, आरडब्ल्यूए और एनएसएस-सीवीएस के साथ मिलकर एक समुदाय-आधारित अभियान की शुरुआत की है। अप्रैल 2025 में, नवजीवन विहार आरआरआर केंद्र ने 1,000 किलोग्राम से अधिक पुराने कपड़े, जूते-चप्पल और फर्नीचर एकत्र किए। इन्हें सावधानीपूर्वक छांटकर बेसहारा बुजुर्गों और जरूरतमंदों की सेवा करने वाली एक एनजीओ "सेवियर फाउंडेशन" को दान किए। रीयूज की गई ये वस्तुएं अब 1,200 से अधिक बुजुर्गों को आराम और सम्मान प्रदान कर रही हैं।

नारियल के कचरे से बढ़ती आय

आगरा नगर निगम द्वारा सूखे नारियल के कचरे के संग्रहण, वेस्ट मैनेजमेंट फैसिलिटी सेंटर तक परिवहन और प्रसंस्करण के लिए एक सुव्यवस्थित और रणनीतिक पहल का भी सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। लापरवाही से फेंके जाने वाले नारियल के कचरे को अब एक 4 टीपीडी नारियल शेल प्रसंस्करण इकाई के माध्यम से मूल्यवान संसाधनों में परिवर्तित किया जा रहा है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत संग्रहित किए गए नारियल के खोलों को धूप में सुखाया जाता है और फिर उन्हें कोकोपीट (कॉयर पिट) में प्रसंस्कृत किया जाता है—जो मिट्टी को समृद्ध करने का एक माध्यम है, जिसे बागवानी, नर्सरी और अर्बन फार्मिंग में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त, स्वयं सहायता समूह (SHG) की महिलाओं को शामिल करके कॉयर फाइबर से सस्टेनेबल रस्सियों और अन्य उपयोगी उत्पादों का कुशलतापूर्वक निर्माण किया जा रहा है, जिससे नगर निगम की आजीविका को बढ़ावा मिल रहा है।

ग्लोबल रीसाइक्लिंग दिवस

18 मार्च, 2025

मीरा भायंदर

ग्लोबल रीसाइक्लिंग दिवस के अवसर पर मीरा-भायंदर स्थित उत्तन बीच पर 7 स्कूलों और कॉलेजों से जुड़े 350 विद्यार्थियों ने एक साथ मिलकर स्वच्छता अभियान में भाग लिया। इस सफाई अभियान के दौरान उन्होंने 1,629 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्र किया और प्लास्टिक कचरा प्रबंधन को लेकर जन जागरूकता भी फैलाई।

पन्ना

मध्य प्रदेश के पन्ना ने ग्लोबल रीसाइक्लिंग दिवस के अवसर पर साहस एनजीओ के साथ मिलकर छत्रसाल पार्क में उत्साहपूर्वक 'रन फॉर सेग्रीगेशन' मैराथन और 'बैस्ट आउट ऑफ वेस्ट' प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से रीसाइक्लिंग और स्वच्छ, हरित भविष्य के संदेश को प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुंचाया गया।

इंदौर

इंदौर के नेहरू पार्क में 3R अवधारणा (Reduce, Reuse, Recycle) पर आधारित कचरे से बनाई गई एक अनोखी ट्रेन बच्चों के आकर्षण का केंद्र बनी। यह पहल न केवल बच्चों को आनंदित कर रही है, बल्कि कचरे के रचनात्मक तरीके से पुन: उपयोग का प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत कर रही है।

सीटीयू का रूपांतरण: स्वच्छ, हरित, बेहतर

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के अहिवारा स्थित वार्ड 3 में सीटीयू के परिवर्तन के दौरान 1 टन से अधिक बेकार पड़े टैंकरों, पाइपों, ठेला और अन्य पुन: उपयोग में लाने योग्य सामग्री से कलात्मक कृतियां तैयार की गईं।

भिलाई चरोदा नगर निगम ने बंधवा तालाब के पास सी.टी.यू. के कायाकल्प के दौरान 1.5 टन कचरे को साफ किया। इसके साथ ही दीवारों पर पेंटिंग, पेवर ब्लॉक और कलाकृतियों के माध्यम से इसे सुंदर बनाया गया।

उत्तर प्रदेश

लखनऊ नगर निगम ने आलमबाग के पटेल नगर (जोन 5) की बैकलेन्स में स्थित एक सी.टी.यू. को बच्चों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और जीवंत खेल के मैदान में बदल दिया है। यह प्रयास शहर की ऐसी बेकार पड़ी जगहों को फिर से प्राप्त करने और स्वच्छता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो कचरे के ढेर में तब्दील हो चुकी थीं।।

महाराष्ट्र

पिंपरी चिंचवड नगर निगम द्वारा रीसाइकल्ड सामग्रियों का उपयोग करके तारामती पार्क के सी.टी.यू. को सुंदर स्वरूप दिया गया है। इस पर्यावरण-अनुकूल पहल के माध्यम से न केवल सुविधा के सौंदर्य को बढ़ाया गया, बल्कि अपशिष्ट पृथक्करण और पुनर्चक्रण के प्रभावों के बारे में जागरूकता को भी बढ़ावा दिया।

केंद्रीय मंत्री के नेतृत्व में शहरी विकास पर राज्यों से चर्चा

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने 6 मार्च 2025 को नई दिल्ली में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात की। इस दौरान राज्य में शहरी विकास से संबंधी पहलों में तेजी लाने पर केंद्रित चर्चा हुई।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने 19 मार्च 2025 को नई दिल्ली में पुडुचेरी के उपराज्यपाल श्री के. कैलाशनाथन से मुलाकात कर केंद्र शासित प्रदेश की बिजली संबंधी चुनौतियों और विकास से जुड़ी प्राथमिकताओं पर चर्चा की।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने 23 मार्च 2025 को भुवनेश्वर में ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी से मुलाकात कर राज्य में शहरी विकास से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की।।

राज्यों में शहरी परियोजनाओं की समीक्षा के लिए राज्य मंत्री का दौरा

आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने 18 मार्च 2025 को नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राज्य में शहरी विकास से संबंधित मामलों पर सार्थक चर्चा की।

आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने 19 मार्च 2025 को मेघालय के मुख्यमंत्री श्री कॉनराड के. संगमा के साथ बैठक की। बैठक में राज्य के आवास एवं शहरी विकास से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई।

शहरी विकास और औद्योगिक क्षेत्र के बीच तालमेल का लाभ उठाने के अवसरों का पता लगाने के लिए 20 मार्च 2025 को आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री श्री एच.डी. कुमारस्वामी से मुलाकात की।

समीक्षा बैठक

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने 11 फरवरी 2025 को एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें स्वच्छ भारत मिशन, AMRUT 2.0, स्मार्ट सिटीज़ मिशन, पीएमएवाई-शहरी (PMAY-Urban) और अन्य विभिन्न मिशनों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में 27 मार्च 2025 को आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) की कनसल्टेटिव कमिटी की बैठक स्वच्छ भारत मिशन – शहरी (SBM-U) के लिए आयोजित की गई।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) ने स्वच्छ भारत मिशन–शहरी 2.0 के अंतर्गत 14 राज्यों में ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन, सूचना, शिक्षा एवं संचार (IEC), तथा क्षमता निर्माण से जुड़ी ₹700 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को 28 मार्च 2025 को आयोजित 14वीं राष्ट्रीय सलाहकार एवं समीक्षा समिति की बैठक में MoHUA सचिव श्री एस. कटिकिथला की अध्यक्षता में स्वीकृति दी।

अन्य साझेदारियां

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर 22 अप्रैल 2025 को दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर काठमांडू, नेपाल गए। इस बैठक का उद्देश्य आपसी हित की प्रमुख परियोजनाओं पर चर्चा करना और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करना था।

6 मार्च 2025 को विज्ञान भवन में आयोजित ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी समिट 2025 के दौरान आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) के राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने भारत की सस्टेनेबल अर्बन डेवलपमेंट में नेतृत्वकारी भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने इस क्षेत्र में चल रही पहलों और देश की दूरदर्शी सोच को साझा किया।

बिलासपुर के रतनपुर स्थित कृष्णा-अर्जुनी तालाब में 29 मार्च 2025 को आयोजित 'तीन दिन, तीन सेवा कार्य' अभियान के तहत स्वच्छता श्रमदान में 1,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अभियान का नेतृत्व आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) के राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने किया।

झिबली ट्रेंड

दिल्ली

भुवनेश्वर

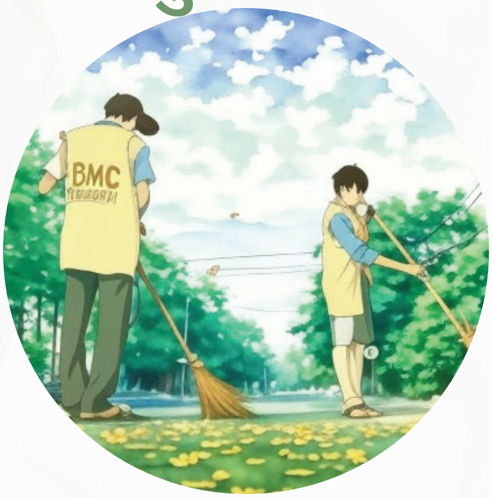

छत्तीसगढ़

गुवाहाटी

गांधीनगर

स्वच्छता खबरों में...

DIVYA BHAVYA MAHA KUMBH 2025

In a 1st, it will be plastic-free Kumbh

Admin To Send 90K Postcards Of Green Msg

Some flights will run daily, others twice a week

24x7 healthcare at rly stns for Kumbh

Manohar Lal announces C3 multi-stakeholder partnership for knowledge exchange for cities, technical institutions and tech providers

India launches multi-nation alliance for city-to-city collaboration

This forum would provide a critical platform for policymakers, industry leaders, researchers, and development partners to discuss and implement sustainable solutions for waste management and resource efficiency as economies in the Asia-Pacific region

THE NEW INDIAN EXPRESS

India proposes global platform to accelerate circular economy adoption

The three-day event, themed 'Realising Circular Societies Towards Achieving SDGs and Carbon Neutrality in Asia-Pacific,' is taking place in Jaipur.

...on Minister of Housing and Urban Affairs ...nohar Lal speaking at the inauguration of ...12th Regional 3R and Circular Economy ...um in Asia and the Pacific. (Photo | ...eengrab)

India bats for global platform to speed up adoption of circular economy

India launches multi-nation alliance for collaboration on sustainable development

The Hindu Bureau
NEW DELHI

India on Monday launched the Cities Coalition for Circularity (C-3), a multi-nation alliance for city-to-city collaboration, knowledge-sharing, and private sector partnerships for sustainable urban development.

This forum would provide a critical platform for policymakers, industry leaders, researchers, and development partners to discuss and implement sustainable solutions for waste management and resource efficiency as economies in the Asia-Pacific region.

Reuse and recycle

Prime Minister Narendra Modi, in a special written message to delegates at the launch, said India follows and strongly advocates the P (Pro-Planet People) approach and highlighted the role of 3R (reduce, reuse and recycle) and circular economy principles in ensuring su...

Narendra Modi

development and resource efficiency.

He also mentioned that India has always been more than willing to share its experiences and learning in its journey towards creating a circular economy. "We propose that a working group of member nations be formed after this forum to finalise the coalition's structure and operational framework," he said.

A key Memorandum of Understanding (MoU) for CITIIS 2.0 was also signed at the launch event in Jaipur.

...ing and Urban Affairs Manohar Lal announced that agreements worth ₹1,800 crore will be signed under this initiative, benefiting 18 cities across 14 States, and serving as lighthouse projects for other urban areas.

Environmental issues

The Regional 3R and Circular Economy Forum in Asia and the Pacific was launched in 2009 to promote sustainable waste management, resource efficiency, and circular economy principles across the region. Recognising the environmental challenges posed by rapid economic growth, resource depletion, and rising waste generation, the forum has served as a key platform for policy dialogue and capacity building.

A major milestone was the adoption of the Hanoi 3R Declaration (2013-2023), which outlined 33 voluntary goals for shifting towards a more resource-efficient and circular eco...

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन से मेघालय के विकास से जुड़े मुद्दों पर की चर्चा

पत्रिका @ बिलासपुर. मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड कॉन्गकल संगमा ने निर्माण भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू से सौजन्य भेंट की। इस दौरान मेघालय के विकास और प्रगति से संबंधित मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने स्वच्छ भारत मिशन, अमृत और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाओं को मेघालय में कैसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और उनके प्रभाव को कैसे बढ़ाया जाए, यह चर्चा राज्य और केंद्र सरकार के बीच सहयोग को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। तोखन साहू ने कहा कि भारत सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है (सरकार की प्रतिबद्धता विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, जो इस क्षेत्र में शहरीकरण और बुनियादी ढांचे से जुड़ी विशिष्ट चुनौतियों को दूर करने के लिए कार्यरत हैं।

Circular economy can generate $2 trillion, jobs for 10 million: Union Minister Yadav

Union Minister Bhupendra Singh Yadav @ 12th Regional 3R and Circular Economy Forum Asia and the Pacific, in Jaipur on Tuesday. (Photo : Bhupendra Yadav Twitter page)

Union Minister for Environment and Climate Change Bhupendra Yadav said India's circular economy ...e a market value of over USD 2 trillion and create close to 10 million jobs by 2050.

Opportunity to set global example with clean & green Maha Kumbh

Swami Chidanand Saraswati

BY INVITATION

CLEAN & GREEN KUMBH

JOURNEY OF SELF-PURIFICATION

SYMBOLISM OF KUMBH KALASH

ETERNAL MESSAGE OF UNITY IN DIVERSITY

FESTIVAL OF INNER & OUTER CONFLUENCE

GRAND VISION FOR 2025

यमुना की सफाई हेतु घाटों का किया निरीक्षण

प्रयागराज की तर्ज पर होगी यमुना के घाटों की सफाई : नगर आयुक्त

यमुना के घाटों का निरीक्षण करते नगर आयुक्त

Karimnagar Municipal Corporation Promotes Advanced Organic Waste Management

देश के 18 स्मार्ट शहरों में शामिल बिलासपुर को मिलेगा 100 करोड़: केंद्रीय मंत्री तोखन

कार्यक्रम को सक्रिय करने के लिए सभी शहरों ने होंगे हस्ताक्षर

नवभारत रिपोर्टर। बिलासपुर।

12वें फोरम की खास विशेषता 'इंडिया पैवेलियन'

12th Regional 3R, Circular Economy Forum in Asia-Pacific

Nation

Indore launches India's first PPP-based green waste processing plant

Built on 55,000 square feet of land in Bicholi Hapsi, the plant will recycle wood and branches to produce wood pellets, serving as an alternative to coal and promoting energy conservation.

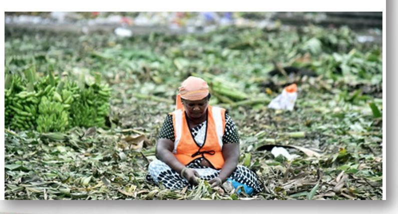

28/03/25 | 4:32 pm | Manohar Lal | Ministry of Housing and Urban Affairs | Swachh Bharat Mission

Union Minister Manohar Lal Chairs Consultative Committee Meeting On Swachh Bharat Mission – Urban 2.0

'Dal Lake Weed Processing Unit', climate initiatives steal spotlight

J&K inks MoU regarding transformation of Srinagar into zero landfill city by 2030

BK NEWS SERVICE

12वां क्षेत्रीय थ्री आर और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम समारोह

सर्कुलर इकोनॉमी इंसेंटिव स्कीम लेकर आएगी राज्य सरकार: मुख्यमंत्री

सोशल मीडिया

Swachh Bharat Urban @SwachhBharatGov · 31m
स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त शहर!
इंदौर नगर निगम रोचक और रचनात्मक तरीकों से दुकानदारों, विक्रेताओं और उपभोक्ताओं को कर रहा है जागरूक –
सिंगल यूज़ प्लास्टिक को करें ना
दो डस्टबिन को करें हां
सस्टेनेबल शॉपिंग बैग घर से ले कर निकलें
#SwachhBharat

Swachh Bharat Urban @SwachhBharatGov · Apr 9
Chhattisgarh champions #swachhbacklanes !
SUDA Chhattisgarh @UrbanCGOfficial · Apr 8
नगर पालिका परिषद लोरमी में स्वच्छता के रंगों से सजे बैकलेन!
नगर पालिका परिषद लोरमी अंतर्गत स्थानीय कलाकारों की सहायता से निकाय के बैकलेन सौंदर्यीकरण का कार्य जारी है।
...
Show more

Swachh Bharat Urban @SwachhBharatGov · Apr 2
भोपाल के विभिन्न कॉलेज के छात्रों ने नगर पालिका निगम के रिसाइकल हब का दौरा किया अं
कचरा प्रबंधन के महत्व को समझा। उन्होंने यह भी जाना कि RRR सेंटर की कार्यप्रणाली के अंतर्गत कैसे सामान को नया जीवन दे कर हम पर्यावरण को बचा सकते हैं।
#GarbageFreeCities #SwachhBharat

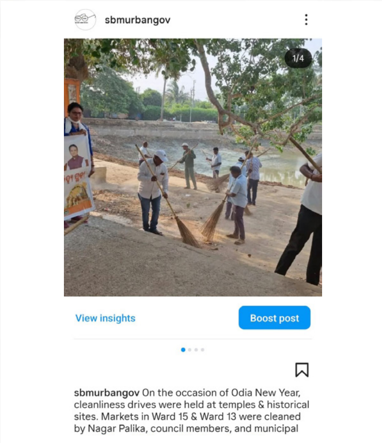
sbmurbangov
1/4
View insights
Boost post
sbmurbangov On the occasion of Odia New Year, cleanliness drives were held at temples & historical sites. Markets in Ward 15 & Ward 13 were cleaned by Nagar Palika, council members, and municipal

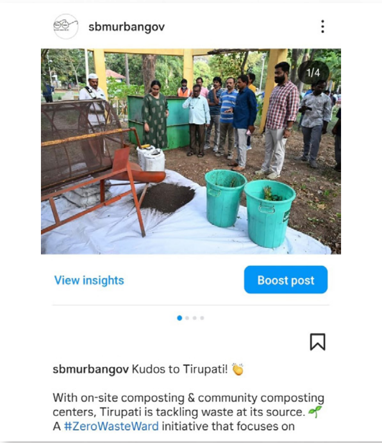
sbmurbangov
1/4
View insights
Boost post
sbmurbangov Kudos to Tirupati!
With on-site composting & community composting centers, Tirupati is tackling waste at its source.
A #ZeroWasteWard initiative that focuses on

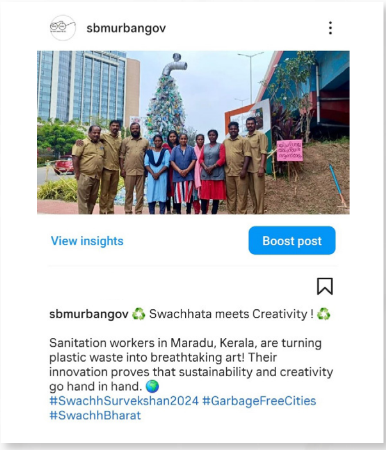
sbmurbangov
View insights
Boost post
sbmurbangov Swachhata meets Creativity !
Sanitation workers in Maradu, Kerala, are turning plastic waste into breathtaking art! Their innovation proves that sustainability and creativity go hand in hand.
#SwachhSurvekshan2024 #GarbageFreeCities
#SwachhBharat

Swachh Bharat Mission - Urban
1h
During the Swachhata Pakhwada, the Regional Institute of Medical Sciences in Imphal, conducted a thorough roadside cleanup drive, including their departments. - a commi... See more
WELCOME
Regional Institute of Medical Sciences, Imphal
Observance of
स्वच्छता पखवाड़ा
SWACHHATA PAKHWADA 2025
1st April to 15th April, 2025

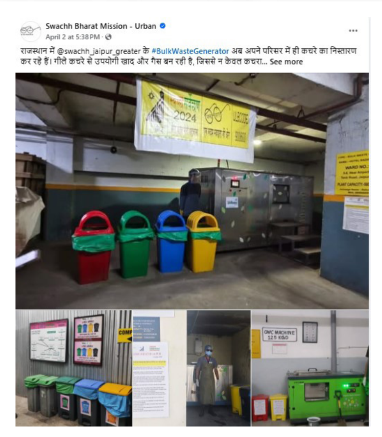
Swachh Bharat Mission - Urban
April 2 at 5:38 PM
राजस्थान में @swachh_jaipur_greater के #BulkWasteGenerator अब अपने परिसर में ही कचरे का निस्तारण कर रहे हैं। गीले कचरे से उपयोगी खाद और गैस बन रही है, जिससे न केवल कचरा... See more

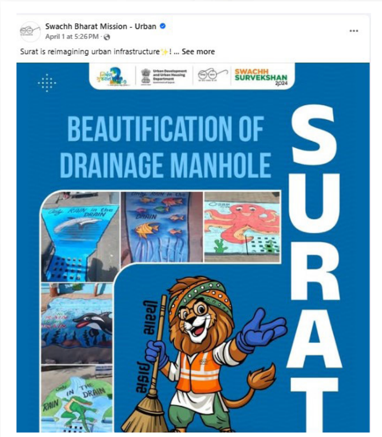
Swachh Bharat Mission - Urban
April 1 at 5:26 PM
Surat is reimagining urban infrastructure ! ... See more
SWACHH SURVEKSHAN 2024
BEAUTIFICATION OF DRAINAGE MANHOLE
SURAT

स्वच्छ भारत मिशन पर ज्यादा जानकारी के लिए

हमें फॉलो करें:

Swachh Bharat Mission – Urban @SwachhBharatGov sbm_urban Swachh Bharat Urban swachh-bharat-urban